खतरे का बढ़ता दायरा

इस मानचित्र में पीएम 2 .5 का वार्षिक औसत और प्रतिदिन की अधिकतम सघनता (माइक्रोग्राम/घनमीटर) प्रदर्शित की गई है। अधिकांश शहरों में प्रतिदिन की अधिकतम सघनता वार्षिक औसत से कहीं ज्यादा है। साल 2019 में 30 नवंबर तक प्रदूषकों की मात्रा बताती है कि वायु प्रदूषण को सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता क्योंकि हवा प्रदूषकों को बहाकर ले जाती है। इससे यह भी पता चलता है कि वायु प्रदूषण को शहरों के स्तर पर नियंत्रित करना अपर्याप्त है। इसके लिए क्षेत्रीय स्तर पर व्यापक कार्रवाई की जरूरत है

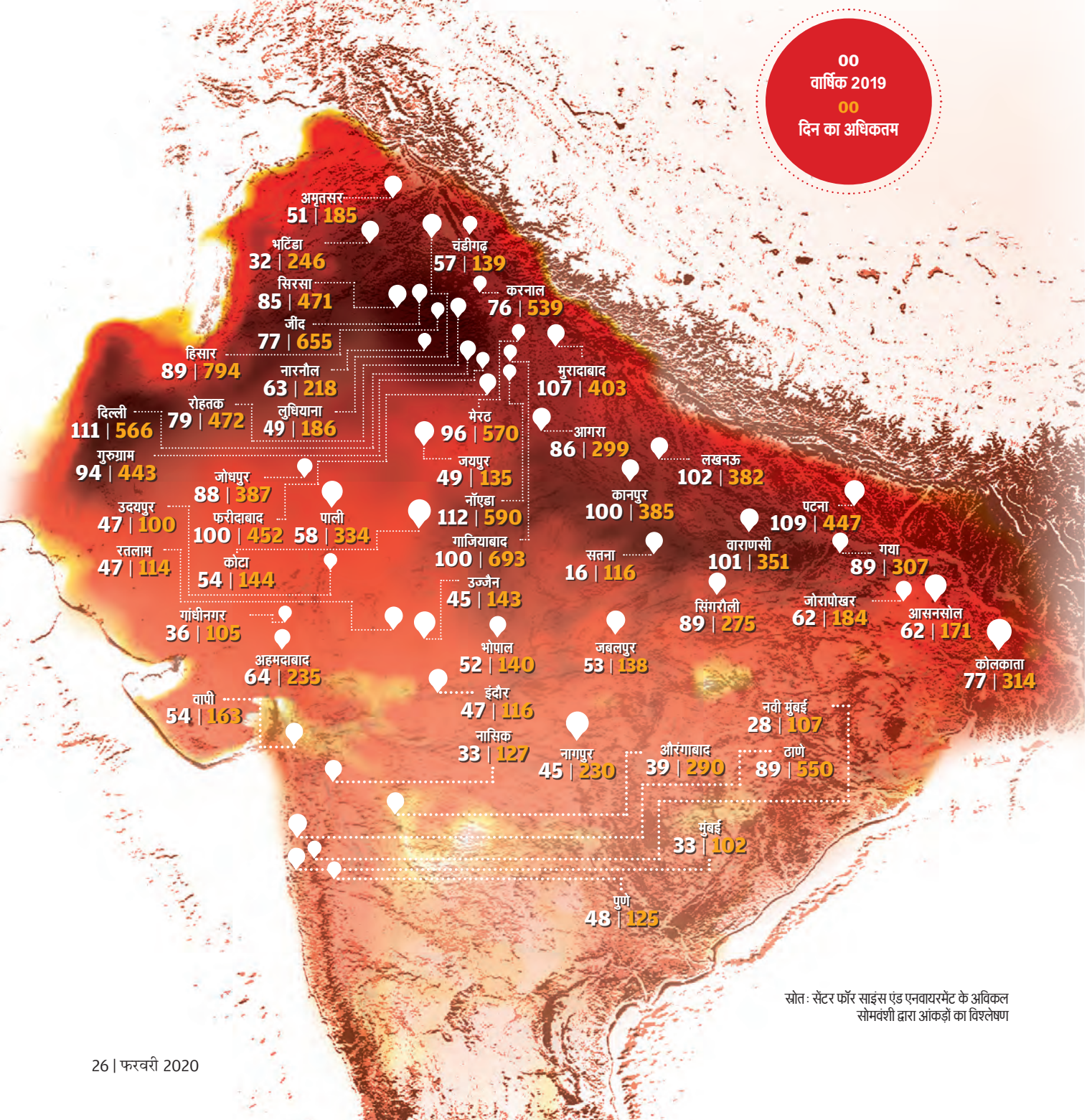

स्रोत: सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के अविकल सोमवंशी द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण